Some Important News in Various News-papers on the Activities of Dr.P.P.Mittal and A-Z Energy Engineers Pvt. Ltd.

जागरण सरोकार एनर्जी ऑडिट के सुझावों से ऊर्जा संरक्षण और उत्पादन क्षमता वढ़ाने पर दे रहे हैं जोर

उद्योग प्रबंधकों को सिखा रहे बिजली बचत के गुर

बिजेंद्र बंसल ● फरीदाबाद

पर्यावरण संरक्षण

बिजली खपत से सबसे ज्यादा वातावरण में कार्बन डॉईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञ बिजली खपत कम करने के प्रबंधन पर जोर दे रहे हैं। इस क्रम में जहां केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक मेगावाट से अधिक बिजली खपत के उद्योगों व संस्थानों के लिए तीन साल में एक बार एनर्जी ऑडिट कराना अनिवार्य किया है। वहीं अब सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग अधिक भी बिजली बचत के गुर सीख रहे हैं। लघु-मझोले उद्योगों व संस्थानों को बिजली बचत के गुर सिखाने वालों को केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी कर रही है, तो वो प्रोत्साहित हों और बेहतर करने की दिशा में काम करें।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता डॉ.प्रेम प्रकाश मित्तल ऐसे ही शख्स हैं, जिन्होंने 100 से अधिक सूक्ष्म, लघु व मध्यम श्रेणी के उद्योगों में निश्शुल्क एनर्जी ऑडिट करके एक रिकॉर्ड बनाया है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योग मंत्रालय ने इस कार्य के लिए डॉ.मित्तल को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। केंद्र सरकार ने अलग से राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार से भी नवाजा।

> पर्यावरण संरक्षण के लिए पेरिस एग्रीमेंट में तय किया गया है कि 2030 तक विश्व भर में कार्बन डाईआक्साइड 30 फीसद कम करनी है। पेड़-पौधे लगाने से वातावरण में आक्सीजन की मात्रा बढ़ती है मगर यदि हम 100 यूनिट बिजली की बचत करते हैं तो 80 किलो कार्बन डाईआक्साइड वातावरण में फैलने से बचाते हैं। कार्बन डाईआक्साइड बचाने का काम हम एनर्जी ऑडिट के माध्यम से कर रहे हैं। वैसे तो एक मेगावाट से ज्यादा बिजली खपत करने वाले उद्योगों या संस्थानों को तीन साल में एक बार एनर्जी ऑडिट कराना जरूरी है मगर कानून की बाध्यता से ज्यादा यह समझने की जरूरत है कि इससे उद्योगों में न सिर्फ बिजली बिल की बचत होती है बल्कि मशीनरी की उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी।
>
> **-डॉ प्रेम प्रकाश मित्तल,** सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम

22 करोड़ एलईडी बल्ब से प्रतिवर्ष दस हजार मेगावाट बिजली बचत: डॉ. मित्तल बताते हैं कि ऊर्जा बचत से न सिर्फ हमारा वातावरण दूषित होने से बच रहा है बल्कि देश को आर्थिक फायदा भी हो रहा है। एनर्जी ऑडिट का दायरा एक मेगावाट की यूनिट की बजाए प्रत्येक छोटी- बड़ी इडंस्ट्री तक फैलाना चाहिए। डॉ.मित्तल के अनुसार बिजली बनाने के लिए आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया व दक्षिण अफ्रीका से 90 फीसद कोयला आयात किया जा रहा है। इसका कारण है कि हमारे देश के एक किलोग्राम कोयले को जलाने से 3 हजार किलो कैलोरी का उत्पादन होता है जबकि विदेशी एक किलोग्राम कोयल से 6500 किलो कैलोरी मिलती हैं। बिजली बचत के लिए हमारे देश ने 22 करोड़ एलईडी बल्ब निश्शुल्क बांटे हैं। इससे 10 हजार मेगावाट बिजली प्रतिवर्ष की बचत हुई है। यदि हम बिजली उत्पादन के आंकड़ों पर जाएं तो एक मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए 5 करोड़ रुपये की लागत से पावर हाउस तैयार होता है। ऐसे 10 हजार मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। इसलिए एनर्जी ऑडिट के तहत आम लोगों को अपने घरों में भी एलईडी बल्ब और ट्यूबलाइट ही लगानी चाहिए।

एक चौथाई रह गया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी का बिल : एनर्जी ऑडिट से मिले सुझावों पर अमल करने से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी का बिजली का बिल एक चौथाई रह गया। इंस्टीट्यूट में 3 हजार युवक प्रशिक्षण लेते हैं। यहां डॉ.मित्तल की कंपनी ने एनर्जी ऑडिट की तो जनरेटर, ट्रांसफार्मर, मोटर्स, कंपेस्टर, बॉयलर, कूलिंग टॉवर आदि में काफी खामियां पाई गईं। इनमें सुधार होते ही यहां बिजली के बिल में 75 फीसद कमी आ गई। इसके बाद इंस्टीट्यूट के महानिदेशक ने हरियाणा रिन्यूवल एनर्जी डिपार्टमेंट को एनर्जी ऑडिट के लाभ बताए।

अमर उजाला | **फरीदाबाद** amarujala.com रविवार,

एनर्जी ऑडिटिंग को अनिवार्य बनाने की काफी जरुरत

साक्षात्कार

प्रेम प्रकाश मित्तल, एनर्जी ऑडिटर

एनर्जी ऑडिटर के तौर पर आपकी उपलब्धियां ?

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, रेलवे और विश्व बैंक जैसी बड़ी संस्थाओं को अपनी सेवाएं देकर देश में करीब 20 लाख किलोवाट प्रतिघंटे ऊर्जा की बचत का फॉर्मूला दिया। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से 2007 में रिटायर होने के बाद ऊर्जा संरक्षण पर काम किया। इसके लिए भारत सरकार ने वर्ष 2013, 2015 व 2016 एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड दिया। 2012 में हरेडा से, 2015 में हरियाणा के मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इस साल सितंबर में अमेरिका में एनर्जी इंजीनियर्स ऑफ साउथ ईस्ट एशिया का अवार्ड मिला। अक्तूबर में पीएम नरेंद्र मोदी ने सम्मानित किया।

पहले-आज के फरीदाबाद में क्या अंतर है ?

जिस रफ्तार से शहर की आबादी बढ़ी है, उसके मुकाबले बुनियादी सुविधाएं नही बढ़ पाईं। हालांकि, शहर की बड़ी आबादी पढ़ी लिखी है, जो 21वीं शताब्दी के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। सरकारी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार की जरूरत है। शहर के लोग पहले से ज्यादा जागरूक हुए हैं। अगर बात करें ऊर्जा संरक्षण की तो औद्योगिक नगरी के उद्यमी इसको लेकर जागरूक नहीं हैं। आज भी तीन दशक पुराना फॉर्मूला चल रहा है।

ऊर्जा संरक्षण को क्या कदम उठाने चाहिए?

सरकारी सब्सिडी देकर आज तक 18 करोड़ एलईडी बल्ब बेचे जा चुके हैं। जिससे 34 हजार मेगावाट बिजली की बचत हो चुकी है, लेकिन सरकार स्तर पर कमियां हैं। एनर्जी ऑडिटिंग को अनिवार्य करना होगा। इसके अलावा अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिविर लगाने की भी जरूरत है। मेरी समझ से कॉलेज स्तर पर छात्राओं को ऊर्जा संरक्षण के टिप्स देना जरूरी है, क्योंकि एक लड़की को जागरूक करने का मतलब दो परिवारों को जागरूक करना है।

आत्मनिर्भर है फिर भी बिजली कटौती क्यों ?

हरियाणा में बिजली की कोई कमी नहीं है। जब हरियाणा बना था तब बिजली की डिमांड 330 मेगावाट थी। आज डिमांड बढ़कर 6000 मेगावाट पहुंच गई है। हरियाणा ने बिजली उत्पादन पर तो जोर दिया, लेकिन ट्रांसमिशन सिस्टम को सुधारने पर जोर नहीं दिया। नतीजा फरीदाबाद-गुड़गांव जैसे अग्रणी जिलों को भी बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है। फरीदाबाद में ट्रांसमिशन क्षमता 800 मेगावाट है, जबकि पीक टाइम में डिमांड 900 मेगावाट तक चली जाती है।

आदर्श शहर कैसा होना चाहिए ?

मैंने कई देशों का भ्रमण किया, लेकिन स्वच्छता के मामले में उनके मुकाबले हम कहीं भी नहीं टिकते। पीएम मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की पहल कर सराहनीय काम किया है। इस अभियान के नाम पर कम से कम शहर में तो खानापूर्ति ही होती दिखाई देती है। सरकारी एजेंसियों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जनता को भी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होना होगा, तब ही हमारा शहर आदर्श बन पाएगा।

फरीदाबाद में रहने की खास वजह ?

उत्तर: सिरसा जिले से मेरा ताल्लुक रहा है। वर्ष 1996 में इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में नौकरी के दौरान मेरी तैनाती फरीदाबाद में हुई थी। वर्ष 2007 में रिटायरमेंट होने के बाद सोचा था कि हिसार में रहूंगा। वहां मकान भी बना लिया था, लेकिन दोनों बेटों ने दिल्ली में अपना बिजनेस सेटअप कर लिया। इसके बाद फरीदाबाद का ही होकर रह गया। फिलहाल सेक्टर-21 में आशियाना है।

'एनर्जी मैन' डॉ. पीपी मित्तल का फार्मूला आएगा काम, होगी 20 लाख किलोवॉट बिजली की बचत

पायनियर
कोहिनूर

प्रदेश के प्रमुख शहरों में शुमार कलपुर्जों की नगरी फरीदाबाद का गौरव फिर से देश व दुनिया के मानस पटल पर लाने वाली शख्सियतों की तलाश पायनियर ने की है। कभी इस शहर को एशिया का मैनचेस्टर कहा जाता था। इसका गौरव फिर से ये शख्सियत लाने का प्रयास कर रही हैं। इनकी सफलता की कहानी, 'पायनियर कोहिनूर' कॉलम के माध्यम से हर शनिवार को प्रस्तुत की जाएगी। इस कड़ी में आज मिलिए देश में 'एनर्जी मैन' के नाम से विख्यात डॉ. पीपी मित्तल से। उन्होंने रेलवे, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम जैसी बड़ी संस्थाओं को अपनी सेवाएं देकर देश में करीब 20 लाख किलोवॉट प्रतिघंटे ऊर्जा की बचत का फार्मूला दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों 2016 में पुरस्कृत इस शख्सियत का ध्येय है कि ऊर्जा बचत एक सामाजिक क्रांति बने। ताकि अभी तक इससे वंचित जरूरतमंदों तक इसे पहुंचाया जा सके।

पंकज मिश्रा। फरीदाबाद

1970 में हरियाणा सरकार के बिजली विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद से एनर्जी सेक्टर में काम शुरू करने वाले सेक्टर 21ए निवासी **डॉ. पीपी मित्तल** ने कभी अपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन वे भारत के प्रधानमंत्री के हाथों ऊर्जा बचत में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित होंगे। लगन, सोच व दूरदर्शिता ने उन्हें ऐसा मुकाम दिलाया कि आज डॉ. मित्तल को देश में 'एनर्जी मैन' के नाम से जाना जाता है। सरकारी हो या निजी नौकरी, किस तरह से अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा कर समाज में अपने कामों से उदाहरण छोड़ सकते हैं, इसकी मिसाल हैं डॉ. मित्तल।

20 लाख किलोवाट प्रतिघंटे ऊर्जा बचत का दिया फॉर्मूला : संस्थाओं से भी जुड़े रहने के दौरान उन्होंने देश में करीब 20 लाख किलोवॉट प्रतिघंटे ऊर्जा की बचत का फॉर्मूला दिया, जिसकी चर्चा और सराहना की गई। 18 अक्टूबर 2016 को लुधियाना में एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री से सम्मानित डॉ. पीपी मित्तल।

ऊर्जा संरक्षण ही है जीवन का लक्ष्य : पायनियर से बातचीत में डॉ. मित्तल कहते हैं कि जब नौकरी की शुरुआत हुई तो लगने लगा था कि ऊर्जा बचत कितनी जरूरत है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से एनर्जी ऑडिट को किया जाए अनिवार्य

डॉ. मित्तल कहते हैं कि एनर्जी ऑडिट को अनिवार्य बनाने की जरूरत है। इससे काफी फायदा होगा। इससे ऊर्जा के प्रति सभी संवेदनशील भी होंगे। वे कहते हैं कि एक आंकड़े के मुताबिक सरकारी सब्सिडी देकर आज तक 18 करोड़ एलईडी बल्ब बेचे जा चुके हैं, जिससे 34 हजार मेगावॉट बिजली की बचत हो चुकी है। यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसके लिए अनिवार्यता के साथ-साथ सभी को जागरूक होना पड़ेगा।

मिले प्रमुख पुरस्कार

- अक्टूबर 2016 में प्रधानमंत्री द्वारा एमएसएमई अवॉर्ड
- सितंबर 2016 में वाशिंगटन अमेरिका में लीजेंड इन एनर्जी अवॉर्ड
- 2013 से 2016 तक नेशनल एनर्जी कंजेवेशन अवॉर्ड

प्रदेश में ट्रांसमिशन सिस्टम को सुधारने की जरूरत : डॉ. मित्तल कहते हैं कि प्रदेश में ट्रांसमिशन सिस्टम को सुधारने की जरूरत है।

जब हरियाणा बना था तब बिजली की डिमांड 330 मेगावॉट थी। आज डिमांड बढ़कर 6000 मेगावॉट पहुंच गई है। ट्रांसमिशन सिस्टम में सुधार कर लिया जाए तो कटौती की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। डॉ. मित्तल ने अभी तक 29 देशों का भ्रमण किया है। साथ ही वहां के इतिहास की जानकारी को एकत्रित करना इनकी रुचि में शुमार है। जीवन के 67 बसंत देख चुके डॉ. मित्तल में अभी भी युवाओं जैसी फुर्ती है। आज भी वे अपने कार्य के प्रति उतने ही सजग रहते हैं, जितना युवाकाल में थे। काम में ईमानदारी और व्यवहार में शालीनता उन्हें अपने माता द्वारिकी देवी और पिता युगल किशोर के व्यक्तित्व से मिला।

ऊर्जा संरक्षण के लिए मित्तल को चौथी बार मिला प्रथम पुरस्कार

ऊर्जा अंकेक्षण से ऊर्जा संरक्षण के लिए डाक्टर प्रेमप्रकाश मित्तल को राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार देते हुए बिजली मंत्री रणजीत सिंह ● डीपीआर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: ऊर्जा अंकेक्षण से ऊर्जा संरक्षण की टिप्स देकर लाखों किलोवाट बिजली की बचत करवाने वाले डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल को हरियाणा सरकार ने राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार दिया है। बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल को लगातार चौथी बार यह पुरस्कार देते हुए बधाई दी। बिजली बोर्ड से सेवानिवृत्ति के बाद पिछले 11 साल में डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल ने 58,32,046 किलोवाट बिजली की बचत कराई है। बिजली के अलावा उद्यमों में इस्तेमाल होने वाले पेटकाक, एलपीजी, चावल की भूसी, कोयला, लकड़ी और फर्नेस आयल से भी बचत की टिप्स मित्तल ने दी हैं। डाक्टर मित्तल का कहना है कि वे ऊर्जा संरक्षण के लिए बड़ी कंपनियों में उनके मौजूदा ऊर्जा संसाधनों में सुधार करवा कर बचत के उपाय सुझाते हैं। उनके इस कार्य से कार्बन उत्सर्जन में भी काफी कमी आती है। हरियाणा सरकार उन्हें इस कार्य में प्रतिवर्ष प्रोत्साहित कर रही है। सेवानिवृत्ति के बाद पिछले 11 साल में डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल 1503 यूनिट को यह फायदा करवा चुके हैं।

बचत के सुझाव देकर 16 लाख यूनिट बिजली बचाई

बिजेंद्र बंसल ● नई दिल्ली

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रेम प्रकाश मित्तल को एमएसएमई अवार्ड से सम्मानित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ● स्वजन

- **पिछले 10 साल में एक करोड़ 13 लाख यूनिट बिजली बचत का प्रस्ताव दे चुके है डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल**
- **एमएसएमई नेशनल अवार्ड कार्यक्रम में पीएम मोदी ने किया सर्विस क्षेत्र के माइक्रो अवार्ड से सम्मानित**

छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाईयों में बिजली सहित उपयोग हो रहे अन्य ईंधन में बचत के सुझाव देकर इंजीनियर (डाक्टर) प्रेम प्रकाश मित्तल ने एक साल में 16 लाख यूनिट बिजली का संरक्षण कराया है। हरियाणा बिजली निगम में कार्यकारी अभियंता पद सेवानिवृत्ति के बाद इंजीनियर प्रेम प्रकाश मित्तल ने एनर्जी आडिट में विशेषज्ञता हासिल की। पिछले 10 साल में मित्तल 1500 इकाईयों को एक करोड़ 13 लाख यूनिट बिजली बचत का प्रस्ताव दे चुके हैं। पिछले साल में उन्होंने 70 औद्योगिक इकाईयों में बिजली सहित अन्य ईंधन की बचत के प्रस्ताव दिए। इससे आठ मीट्रिक टन कार्बन डाईआक्साइड कम उत्सर्जित हुआ। मित्तल के इस प्रयास का केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय ने संज्ञान लिया। बृहस्पतिवार को नई दिल्ली एमएसएमई अवार्ड कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल को सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इसमें दो लाख रुपये नकद इनाम, प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

100 यूनिट बिजली की खपत से होता है 80 किलो कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन: डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल एनर्जी आडिट के लिए प्रत्येक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाई के प्रबंधन को प्रोत्साहित करते हैं। इसके फायदे आर्थिक और सामाजिक तौर पर भी बताते हैं। डाक्टर मित्तल के अनुसार 100 यूनिट बिजली की खपत से 80 किलो कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। विश्व भर में भारत कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन के क्रम में पांचवें स्थान पर है।

पेरिस में भारत सहित 195 देशों ने कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन कम करने के लिए समझौता किया है। इनका लक्ष्य है कि 1991 में जितना कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जित होता था, उतना ही अब होना चाहिए। इसके लिए विश्व भर में अनन्य देशों के प्रयास चल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इसमें काफी गंभीरता बरत रहे हैं। उन्होंने देश की 1200 सरकारी व अर्धसरकारी इकाइयों के लिए एनर्जी आडिट प्रति तीन साल अनिवार्य कर दिया है। हरियाणा सरकार ने तो एक हजार किलोवाट की 800 इकाईयों के लिए यह आडिट अनिवार्य किया है। हालांकि पिछले छह साल में सिर्फ 200 ही इकाईयों ने एनर्जी आडिट किया है।

एनर्जी आडिट में ईंधन के गलत उपयोग की तरफ दिलाया जाता है ध्यान: डाक्टर प्रेम प्रकाश मित्तल बताते हैं कि एनर्जी आडिट में औद्योगिक इकाई के गलत ईंधन प्रयोग की ओर ध्यान दिलाया जाता है। यह आडिट पूरी तरह कंप्यूटराइज्ड होता है। इसके लिए 40 लाख रुपये के उपकरण उनकी टीम ने खरीदे हैं। एक यूनिट की एनर्जी आडिट के लिए सरकार ने 99 हजार रुपये तय किए हैं। इससे बचत लाखों रुपये की होती है। इसके अलावा प्रदूषण कम करने में भी सामाजिक दायित्व का निर्वाह होता है। किसी भी उद्योग में ईंधन के तौर पर बिजली, कोयला, डीजल, फर्निश आयल, गैस आदि इस्तेमाल होती है।

राष्ट्रीय एमएसएमई अवार्ड मिलने पर प्रेम प्रकाश को बधाई दी

जासं, फरीदाबाद : ऊर्जा संरक्षण में बेहतर काम करने पर आल इंडिया फोरम आफ एमएसएमई (एआइएफओएम) में ऊर्जा संरक्षण निदेशक प्रेम प्रकाश मित्तल को राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार विज्ञान भवन नई दिल्ली में एमएसएमई मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में दिया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे, जबकि एमएसएमई के केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और केंद्रीय राज्य मंत्री भानू प्रताप सिंह वशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

प्रेम प्रकाश मित्तल को यह पुरस्कार मिलने पर एआइएफओएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर कपूर, महासचिव अनिल कुमार चौधरी, एमएसएमई स्टार्टअप डा.केके गोयल, फरीदाबाद चैप्टर के उपप्रधान आरडी वर्मा, कार्यकारी सचिव जगदीश चंद्र, संयुक्त सचिव दीके मिश्रा संयुक्त सचिव आरसी चौधरी, कोषाध्यक्ष मनीष मल्होत्रा, कार्यकारिणी सदस्य वीपी गुप्ता ने बधाई दी है। यह सभी पदाधिकारी मंत्रालय के विशेष आमंत्रण पर कार्यक्रम में मौजूद भी थे। सेक्टर-21 डब्ल्यूसीआरए के उपप्रधान जीतराम वशिष्ठ, प्रमोद गुप्ता, केसी अग्रवाल, रामबीर भडाना, योगेंद्र देशवाल, युगल किशोर शर्मा, गिरीश शर्मा, हरीश गुप्ता, अनिल मंगला, राजीव शर्मा, प्रहलाद गौतम, सलिल गोयल, कन्हैयालाल शर्मा आदि ने भी प्रेम प्रकाश मित्तल को बधाई दी है।

एआइएफओएम के ऊर्जा संरक्षण निदेशक प्रेम प्रकाश मित्तल (बाएं से चौथे नंबर पर) को राष्ट्रीय एमएसएमई अवार्ड मिलने पर उनके साथ खुशी जाहिर करते हुए आरडी वर्मा, केके गोयल, श्याम सुंदर कपूर,अनिल चौधरी, आरसी चौधरी, मनीष मल्होत्रा (बाएं से दाएं) ● सौ. एआइएफओएम

शहर के पीपी मित्तल चुने गए एनर्जी इंजीनियर ऑफ द ईयर

ऐहतेशाम उद्दीन अहमद

फरीदाबाद। शहर के उद्यमी (सेवा) प्रेम प्रकाश मित्तल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की एसोसिएशन ऑफ एनर्जी इंजीनियर्स ने वर्ष 2016 का एशिया महाद्वीप क्षेत्र एनर्जी इंजीनियर चुना है। ऊर्जा बचत के क्षेत्र में काम कर रहे एशिया महाद्वीप के बीस इंजीनियरों में उन्हें चुना गया है। यह अवार्ड पाने वाले वह तीसरे भारतीय हैं।

प्रेम प्रकाश मित्तल

एसोसिएशन ऑफ एनर्जी इंजीनियर्स अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्था है। एसोसिएशन की ओर से दुनिया भर के इंजीनियरों का चयन किया जाता है। हर वर्ष एसोसिएशन पांच क्षेत्रीय और एक अंतरराष्ट्रीय अवार्ड देती है। अवार्ड के लिए एशिया, यूरोप, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप के एक-एक इंजीनियर का चयन किया जाता है। वर्ष 2016 के लिए एशिया उपमहाद्वीप क्षेत्र का एनर्जी इंजीनियर चुना गया है। पीपी मित्तल ने बताया कि उन्हें 20 सितंबर को अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

बिजली विभाग में एसडीओ पद से सेवानिवृत्त इंजीनियर प्रेम प्रकाश मित्तल ए-जेड एनर्जी इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड के संचालक हैं।

पीपी मित्तल की कम्पनी को किया सम्मानित

इंडिया केसरी/ब्यूरो : फरीदाबाद। सूक्ष्म लघु एवम मध्यम उद्यम मन्त्रालय ने वर्ष 2013 में माईक्रो सर्विस सेक्टर में उद्यमिता में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पुरस्कार ग्रहण करते हुए डॉ पीपी मित्तल।
(छाया : इंडिया केसरी)

की मान्यता के लिए सेक्टर 21- ए निवासी डॉ पीपी मित्तल की स्वामित्व वाली कम्पनी मैसर्ज एनर्जी इन्जीनियर्स को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। मंगलवार को डा. पी पी मित्तल को यह पुरस्कार प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षता करते हुए प्रदान किया। पुरस्कार में एक शील्ड व तीन लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी। डॉ पीपी मित्तल को इस उपलब्धि पर सेक्टर 21- ए निवासियों ने बधाई दी है। डॉ प्रेम प्रकाश मित्तल की इस उपलब्धि पर सेक्टर 21- ए की डब्ल्युसीआरए के प्रधान गजराज नागर, मॉर्निंग वाकर क्लब के अध्यक्ष इन्द्र पाल माटा,योग शिक्षक राम लाल गुप्ता, उद्यमी प्रमोद गुप्ता, जीतराम वशिष्ट आशुतोष मित्तल, युगल किशोर शर्मा, गिरीश शर्मा, आरसी जैन आदि सेक्टर वासियों ने बधाई दी है।

विदेशों में भी हिट हो रहा है ऊर्जा संरक्षण का फॉर्मूला

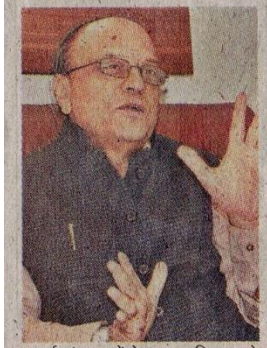

ऊर्जा संरक्षण में प्रेमप्रकाश मित्तल को मिला है केंद्रीय एमएसएमई अवार्ड।

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। ऊर्जा ऑडिटर प्रेम प्रकाश मित्तल(65) रेलवे, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम(यूएनडीपी), विश्व बैंक जैसी बड़ी संस्थाओं से लेकर स्कूलों तक को अपनी सेवाएं देकर देश में करीब 20 लाख किलोवाट प्रतिघंटे ऊर्जा की बचत करा रहे हैं। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से 2007 में कार्यकारी अभियंता पद से रिटायर हुए पीपी मित्तल ने विभाग में रहते ऊर्जा की बर्बादी और उसके बचाव पर काफी काम किया था। रिटायरमेंट के बाद इसका लाभ देश को देने के लिए उन्होंने फरवरी 2009 में एनर्जी इंजीनियर्स के नाम से कंस्लटेंसी संस्था कायम की। रेलवे, देश के कई पांच सितारा होटल और डीपीएस (स्कूल ग्रुप) की ओर से ऊर्जा खपत का आकलन और संरक्षण का प्रोजेक्ट तैयार करने का काम मिला तो दो साल में प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई। 2009 में उन्होंने ए-जेड एनर्जी इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का गठन किया। विश्व बैंक की ओर से ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दो कंपनियों का अध्ययन और प्रोजेक्ट बनाने का जिम्मा उन्हें सौंपा गया। पांच साल के छोटे से समय में उनकी कंपनी ने रेलवे (रेल कोच फैक्ट्री, पावर सब स्टेशन, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, कमर्शियल बिल्डिंग) के अलावा ताप विद्युत ऊर्जा गृह (गुजरात), कागज उद्योग, खाद उत्पादक कंपनियों आदि के लिए ऊर्जा संरक्षण की प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की हैं।

736 प्रोजेक्ट तैयार कर चुके हैं

प्रेम प्रकाश मित्तल 2009 से अब तक 736 ऊर्जा संरक्षण प्रोजेक्ट तैयार कर चुके हैं। दरअसल ऊर्जा विभिन्न स्रोत (पेट्रोल, डीजल, कोयला, केरोसीन, भूसा, कूड़ा) से मिलती है एक अलग अलग ईंधन से अलग-अलग ऊर्जा की मात्रा मि है। इसे किलोवाट/घंटा में बदलने के लिए टन ऑफ ऑयल इक्वीवैलेंट (टीओई) मानक का इस्तेमाल किया जाता है। पी मित्तल की कंपनी ने अभी तक 736 प्रोजेक्ट के जरिए विभि संस्थानों को 10863.66 टीओई यानी 1.26 करोड़ किलोवाट/प्रतिघंटा बचाने के उपाय बताए हैं। इनमें से अधिक संस्थाएं 20 लाख किलोवाट/घंटा बिजली की बचत कर रही

पांच हजार से शुरू किया सफर

पीपी मित्तल ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के चुनिंदा ऑडिटर में एक हैं। मात्र पांच हजार की छोटी पूंजी से घर में ही दफ्तर शुरू किया और आज उनका सेवा कारोबार करोड़ों रुपये में पहुंच चुका है। ऊर्जा संरक्षण की नई तकनीकी खोजने और समझने के लिए वह जापान, स्कैंडिनेवियाई देश सहित यूरोपीय देशों का दौरा कर चुके हैं।

DLF News

A BULLETIN OF DLF INDUSTRIES ASSOCIATION, FARIDABAD

J.P. Malhotra
PRESIDENT

Vijay R. Raghavan
GEN. SECRETARY

K.K. Nangia
TREASURER

SPECIAL ISSUE | FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY | JANUARY - 2015

Message from Our Chief Guest

एन. के. मैनी
उप प्रबंध निदेशक
N. K. Maini
Deputy Managing Director

सिडबी
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA

Message

I am happy to know that DLF Industries Association, Faridabad is organizing a Workshop on Energy Efficient Technologies for MSMEs on January 12, 2015. The Association has always been pro-active and taken the lead in emerging areas and meeting the diverse demands of its members.

With rising energy consumption, specially within MSMEs, energy conservation has now become a crucial element for the sustainability of an industry. As such, it is of the utmost importance to inculcate habits & systems resulting in conservation and efficient use of energy. Innovation & use of efficient technology are the key to success in this direction.

Awareness of Energy Conservation measures is disseminated well through workshops such as the one being organized by the DLF Industries Association. Such events provide an excellent platform to the participants to deliberate upon and understand various schemes which are being run by Government Departments for the growth & technology upgradation of industry, exchange ideas about best practices - both national and international and also help in networking with other stakeholders.

I understand that various thought provoking presentations will be made and important ideas are expected to emerge out of the deliberations in the Workshop. I am sanguine that all stakeholders will benefit from this initiative and it will throw up a workable plan, both for the short term and long term.

SIDBI has continuously supported various programmes on Energy Efficiency and conservation, clean energy and sustainable development of the MSMEs and would continue with its efforts with added vigour in the years to come. I wish the event a grand success.

N K Maini

Our Eminent Guest Speakers

Sh. Ajay Kumar Kapoor
Chief General Manager
Small Industries Development Bank of India

Mr. K. K. Chakarvarti
Energy Economist
Bureau of Energy Efficiency

Dr. Malvika Sinha
Vice President
Neelkanth Foundation

Dr. P.P. Mittal F.I.E.
Director
A-Z Energy Engineer

OBJECTIVE

The idea of organizing this Workshop on Energy Conservation is :

1. To create awareness amongst the MSME's
2. To make available experts at the door step
3. To enable MSME's to take First Step & get a walk through Energy Audit done.
4. To implement the Detailed Report is in our own interest to save money & resources in long term & perpetual basis.
5. To get support from SIDBI is adopting energy saving measures & install equipment.

With best compliments from Our Guest of Honour

Sh. S. Yadvendra | Director, MSME DI GOI

SIDBI | DIA | MSME

J. P. Malhotra President
&
Members of Governing Body
DLF Industries Association
invite you to
Workshop on Energy Conservation Technologies
at 6.45 P.M. on Monday the 12th January 2015

Chief Guest
Sh. N. K. Maini Dy. Managing Director
Small Industries Development Bank of India

Guest of Honour
Sh. Suresh Yadvendra
Director MSME DI
Govt. of India

Guest Speaker
Sh. Ajay Kumar Kapoor
Chief General Manager
SIDBI

Focussed Presentations

Sh. K. K. Chakarvarty
Energy Economist
Bureau of Energy Efficiency

Dr. Malvika Sinha
Vice President
Neelkanth Foundation

Er. P. P. Mittal FIE
Director
A-Z Energy Engineers

Venue
HOTEL PARK PLAZA, Sector-21C, Faridabad
You are requested to join for fellowship & dinner

R.S.V.P.
98100 12999
98101 52028
98116 70224

Vijay R. Raghavan
Hon. Gen. Secretary
K. K. Nangia
Treasurer

REPORT

French energy auditors from CETIAT to visit India

Progressing with ADEME- SEEM association, Mr. Vial Francois Henri and Ms. Claire Valérie LOTTEAU, expert energy auditors from CETIAT, France are to visit Indian industries along with SEEM team. ADEME-SEEM project deals with demonstration of industrial energy saving in selected sectors like ceramic and sea food industries. CETIAT has been invited to visit India to conduct energy audits and bring forth improvements. The visit will be held from from 13th June to 24th June 2016. The French team is expected to work in seafood industries of Kochi. SEEM had carried out preliminary audits in a few of such industries in the initial phase of the project towards the end of 2015. Mr. G. Krishnakumar, Secretary - Energy Press and Mr. R. Jayakumar, Joint Secretary - SEEM will coordinate the CETIAT mission.

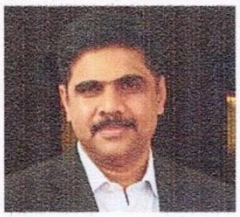

Mr. R. Jayakumar, Joint Secretary - SEEM

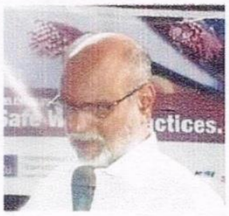

Mr. G. Krishnakumar, Coordinator – ADEME project

Energy Engineer Award for former SEEM President

Dr. P. P. Mittal, Immediate Past President - SEEM, has been awarded the AEE- ASIA Sub Continental Energy Engineer Award for the year 2016 by AEE Atlanta, USA. The award will be presented at the World Energy Engineering Conference to be held on September 20th, 2016 at Washington DC.

Dr. Mittal has earlier won the National Energy Conservation Awards 2015 & 2013 and Haryana State Energy Conservation Award 2012